Class - VIII

Subject - Hindi

Q. 1 [redacted] खण्ड - 'क'

i) हिमालय से निकलने वाली प्रमुख नदियों के नाम है ब्रह्मपुत्र, गंगा तथा सतलुज।

5

ii) तुलसीदास ने गंगा तट पर रामचरितमानस की रचना की थी।

iii) गंगा ~~और~~ अलग अलग भागों में विभिन्न नामों से जानी जाती है जैसेकी सुरसरि, गंगोत्री हिमनद, भागीरथी आदी।

iv) ऋषिकेश में साधु-संतों के ~~आश्र~~ आश्रम है।

v) हरिद्वार को गंगाद्वार कहते हैं।

खण्ड 'ख'

क) iv) अंधकार

3

ख) i) आकृतियाँ

ग) ii) फ़ायदा

3. क) i) नदी

③ ख) iii) उन्हें

ग) ii) पर

4. विशेषण - धनी

① विशेष्य - व्यापारी

5. 1) खा सकता हूँ

② 2) पकड़ लाओ।

① 6. भूतकाल

① 7. ii) हँसता

① 8. i) पीछे

9. गरु जी कहाँ है?

10. वस - अवसर

ल्प - संकल्प

11. 1) पड़ोसी की नयी गाड़ी देख, मेरे हृदय पर साँप लोट गया।

2) विदेश से पिताजी घर लौटने पर माँने घी के दिए जलाए।

12. अ + जय = अजय

कला + कार = कलाकार

13. छुट्टी - छुट्टी

बुद्धिमान - बुद्धिमान

14. i) कविता का नाम है "कोशिश करने वालों की हार नहीं होती", कवि का नाम है, डॉ हरिवंश राय "बच्चन"।

i) चींटी की

ii) मन का विश्वास रगों में साहस भरता है।

iii) व्यक्ति को बार बार चढ़कर गिरना और गिरकर चढ़ना नहीं अखरता है।

iv) चींटी दीवारों पर चढ़ती है।

15. i) गुड़िया

ii) ऊँचीनिची

iii) नृत्य

iv) सरदार

v) सावन

16. i) मुंडाओं ने अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह किया थी।

ii) मैं भोजन की सामग्री लाता हूँ।

5

3

iii) पेड़ भी मनुष्यों के समान, स्पर्श का अनुभव कर सकते हैं।

17. i) वल्लभ भाई गांधी के सत्य अहिंसा - iii) के सिद्धांतों से बहुत प्रभावित थे।

(5)

ii) कोई गरीब की सहायता - i) से मुँह न मोड़े।

iii) अजंता में बने चित्रों के रंग - iv) खनिजों से बने हैं।

iv) मुंडा आदिवासी बिहार के - ii) दक्षिणी पहाड़ी इलाके में रहते थे।

v) युद्ध सैनिक बल से नहीं - v) बुद्धि बल से जीते जाते हैं।

18. i) सरदार वल्लभ भाई पटेल।

(5)

ii) अनुपमा

iii) मंगल पांडे

iv) बिरसा है

v) ~~खड्गसिंह~~ खड्गसिंह

11. i) बेंटिना नृत्य नाटिकाओं में प्रमुख भूमिका निभाती थी,

(10) ii) गोवर्धन दास ने सात पैसों से साढ़े तीन ~~सेर~~ सेर मिठाई मोल ली,

iii) कलिंग के राजा ने उसकी राज्य के बुद्धिमान व्यक्तियों को सभा बुलाई,

iv) अजंता की कुछ गुफाएं दो हजार साल पहले बनी थी तो कुछ गुफाएं एक हजार ~~छह सौ~~ छह सौ साल पुरानी है।

v) छल बल से जमीन हथिआ लिए जाने के वजह से, अंग्रेजों के खिलाफ मुंडाओं के द्वारा किया गया विद्रोह को सरदारी लड़ाई कहा जाता है,

20. i) भारत 1947 अगस्त 15 को स्वतंत्र हो गया, स्वतंत्रता के साथ साथ धर्म के नाम पर देश का बंटवारा भी हो गया, भारत के साथ साथ अंग्रेजों ने सारी रियासतों को भी आजाद कर दीया, इन रियासतों की संख्या 562 थी, इनमें से कुछ पाकिस्तान में विलय होना चाहती थी तो कुछ भारत में और कुछ स्वतंत्र ही रहना चाहती थी, इस समस्या के ~~स~~ समाधान का दायित्व सरदार पटेल को दिया गया,

(12)

उन्होंने अपनी प्रेम दृढ़ता और संकल्प शक्ति से उन सब को भारत में विलय होने के लिए मना लिया। यह था स्वतंत्र भारत के लिए उनका सबसे बड़ा योगदान।

ii) बकरी को मारने के जुर्म में कोतवाल को फाँसी का हुकम हुआ, फाँसी का फंदा कोतवाल के गरदन से बड़ा होने के वजह से राजा ने किसी तंदुरुस्त आदमी को फाँसी देने का हुकम किया, इसलिए सिपाही गोवर्धन दास को फाँसी देने के लिए ले गए, गोवर्धन दास ने अपने गुरुजी को बुला लिया, महंत ने गोवर्धन दास के कान में कुछ कहा और फिर वह दोनों फाँसी पर चढ़ने के लिए लड़ने लगे, राजा के पूछने पर महंत ने बताया कि वह ऐसा सुभ घड़ी था, को जो भी मरता सिधा स्वर्ग जाता। इसीलिए अंत में राजा फाँसी चढ़ता है और गोवर्धन दास बच जाता है।

iii) बेदिना नृत्य नाटिकाओं में प्रमुख भूमिका निभाती थी। नृत्य के बिना वह अधूरी थी, नृत्य उसके शौक और आय दोनों का साधन था। पर एक उसके साथ एक भयानक घटना घटी - उसे गाड़ी ने ठोक दिया। इससे वह बुरी तरह घायल हो गई। वह अंदर से भी पुरी तरह टूट गई। वह अस्पताल के बिस्तर पर लेटे-लेटे छत को निहारकर सोचती थी कि शायद वह फिर कभी नृत्य नहीं कर पाएगी। यह सोचके उसकी

आँखों से बेबसी के आँसू बहते, वह सोचती कि अगर व्हीलचेयर व्हीसल कर जीना था तो वह मर क्यों नहीं गई। उसकी सेविका ने उसकी यह निराशाजनक बातें सुनी और उसे दिलासा देते हुए कहा "तुम्हारा नया जन्म एक विशेष उद्देश्य से हुआ है", बेटिना की सेविका के इन शब्दों ने उसकी सोचने की दिशा बदल दी।

खण्ड - 'घ'

परिश्रम सफलता की सीढ़ी

सफलता प्राप्त करने के लिए कई सारे चीज़ों की ज़रूरत है जैसे की परिश्रम, आत्मविश्वास, अनुशासन इत्यादि, इनमें से सबसे ज़्यादा आवश्यकता है परिश्रम की। बिना किसी मेहनत या परिश्रम के अगर हम हमारे जीवन का उद्देश्य तय करेंगे, तो वह एक इच्छा से अधिक कुछ नहीं होगा, सफलता लागत में परिश्रम और हर बूंद पसीना माँगती है, पर बदले में बेहद मुनाफ़ा प्रदान करती है। सिर्फ सफलता के पीछे भागने से सफलता कभी मिलती नहीं पर परिश्रम करने से सफलता अपने आप पीछे भागती है। सफलता चाहे कितनी भी ऊँची हो मेहनत की सीढ़ी उस तक आराम से पहुँचा सकती है।

२२.

सेवा में,
माननीय प्रधानाचार्य महोदय,
डि.ए.भी पब्लीक स्कूल,
पोखरीपूट, भुवनेश्वर

महोदय,

सविनय विनती करता हुँ कि हमें कृपया क्षमा करें, दरअसल हमारे क्लास में एक बच्चे ने गुस्से कुछ बच्चे डॉस्टर से खेल रहे थे, उनसे डॉस्टर छिपाने के प्रयास में डॉस्टर खिड़की के कॉच पर लग गई और खिड़की का कॉच टूट गया।

आप से सविनय अनुरोध है कि हमारी विनती स्वीकार करें और हमें माफ़ कर कृतार्थ करें। हम वायदा करते हैं कि ऐसा फिर कभी नहीं होगा।

सधन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी छात्र,
राम सिंह
कक्षा - आठवीं 'घ'

दिनांक - ५/२/१८